Under CSR Support by
ipca | Foundation
missiongyan

अध्याय - 5 | ग़ज़ल

QUIZ-01

1. **दुष्यंत कुमार ने हिंदी कविता में उर्दू की किस विधा का प्रयोग किया है?**

   A. गीत B. ग़ज़ल
   C. नई कविता D. गाने (B)

व्याख्या: दुष्यंत कुमार ने हिंदी में उर्दू की ग़ज़ल विधा को प्रयोग में लाया और उसे आम जनता की आवाज़ बनाया।

2. **'ग़ज़ल' शीर्षक कविता के रचयिता कौन हैं?**

   A. दुष्यंत कुमार B. त्रिलोचन
   C. रामनरेश त्रिपाठी D. निर्मला पुतुल (A)

व्याख्या: 'ग़ज़ल' कविता दुष्यंत कुमार द्वारा लिखी गई है।

3. **"ग़ज़ल" के माध्यम से क्या संदेश दिया गया है?**

   A. समाज सेवा B. आंदोलन
   C. जन-जागृति D. इनमें कोई नहीं (C)

व्याख्या: कविता के माध्यम से समाज में जागरुकता और विरोध की भावना व्यक्त की गई है।

4. **'न हो कमीज तो पाँवों से पेट ढँक लेंगे' पंक्ति में कवि ने भारतीयों की किस मनोवृत्ति पर व्यंग्य किया है?**

   A. संतोषी वृत्ति B. निर्धनता
   C. भक्ति वृत्ति D. संघर्ष (A)

व्याख्या: कवि ने आम जन की संतोषी प्रवृत्ति पर व्यंग्य किया है कि वे अभाव में भी चुप रहते हैं।

5. **दुष्यंत कुमार का साहित्यिक जीवन कहाँ से आरंभ हुआ?**

   A. ग्वालियर B. इलाहाबाद
   C. लखनऊ D. बरेली (B)

व्याख्या: दुष्यंत कुमार ने अपना साहित्यिक जीवन इलाहाबाद से आरंभ किया था।

6. **दुष्यंत कुमार की 'ग़ज़ल' कविता किस ग़ज़ल संग्रह से उद्धृत है?**

   A. साये में धूप B. नये पत्ते
   C. वे आँखें D. एक कंठ विषपायी (A)

व्याख्या: यह कविता 'साये में धूप' ग़ज़ल संग्रह से ली गई है।

7. **"ग़ज़ल" में किसका चलन नहीं है?**

   A. तुक निर्वाह का B. शीर्षक
   C. मिजाज का निर्वाह D. स्वतंत्र वजूद का (B)

व्याख्या: पारंपरिक रुप से ग़ज़लों में शीर्षक नहीं होता।

8. **शासकों के लिए क्या जरूरी है?**

   A. विद्रोह को दबाना B. अच्छा शासन
   C. जनता का हित D. इनमें सभी (D)

व्याख्या: कविता में शासकों के दायित्व को लेकर व्यंग्य किया गया है, और ये सभी बातें महत्वपूर्ण हैं।

9. **आम व्यक्ति के अनुसार भ्रष्ट व्यक्ति के हृदय किसके होते हैं?**

   A. पत्थर के B. फूल के
   C. काँटों के D. वृक्ष के समान (A)

व्याख्या: भ्रष्टाचार से ग्रस्त लोगों के दिल को 'पत्थर का' कहा गया है, जो भावनाओं से रहित होता है।

10. **"ये एहतियात जरूरी है इस बहर के लिए" पंक्ति में 'बहर' का अर्थ क्या है?**

   A. छंद B. ग़ज़ल
   C. संसार D. कविता (A)

व्याख्या: 'बहर' ग़ज़ल में छंद या मात्राओं की एक निर्धारित लय को कहते हैं।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें।
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App